भाव चलित पार्ट और उसका अध्ययन

हेमलता शर्मा

ज्योतिष में जातक के जीवन के विभिन्न क्षेत्रों को देखने के लिए सबसे महत्वपूर्ण लग्न चार्ट को ही माना गया है लेकिन चार्ट के साथ–साथ अन्य वर्ग चार्टों का भी अध्ययन किया जाता है। लग्न कभी नहीं बदलता और लग्न की डिग्री को ही प्रत्येक भाव का मध्य बिन्दु मानते हैं। कभी–कभी जन्म कुंडली बहुत बलि और उत्तम योगों से युक्त दिखती है पर जातक के जीवन में ऐसा कुछ घटित नहीं होता तब सूक्ष्म फलादेश के लिए लग्न चार्ट को निम्नांकित दो पार्ट में विभाजित किया जाता है :

1. राशि चार्ट– इसमे यह देखते हैं कि ग्रह किस राशि में बैठा है। इसी से ही योग, युति, ग्रहों की दृष्टि, ग्रहों की राशिगत स्थिति उच्च–नीच, मित्र, शत्रु राशि इत्यादि देखते हैं।

2. भाव चलित – यह लग्न कुंडली का ही शोधन है जिसमें भाव स्पष्ट व ग्रह स्पष्ट के अनुसार यह देखा जाता है कि ग्रह वास्तव में किस भाव में बैठा है।

भाव चलित कुंडली अधिकांश ज्योतिषों के लिए रहस्य बनी हुई है और कुछ इसे सिरे से खारिज करते हैं लेकिन ज्यादातर ज्योतिषी सूक्ष्मता से फलित के लिए भाव चलित कुंडली का प्रयोग करते हैं। भाव चलित का विभाजन :–

1. सम विभाजन – इसमे पृथ्वी को गोल मानकर 360°/12 राशि = 30 यानि प्रत्येक भाव का मन 30 लिया गया।

2. श्रीपति पद्धति– इसमे माना गया है कि पृथ्वी गोल नहीं चपटी है।

3. कस्प चार्ट – इस में भाव का विभाजन किया गया

1. भाव का प्रारंभ
2. भाग का मध्य
3. भाग का अंत

चलित कुंडली में लग्न की डिग्री को ही प्रत्येक भाव का मध्य मान लिया गया है जिसमें 15 (+)(–) करते हुए बनाई जाती है। चलित कुंडली में यह ध्यान रखना होता है कि किस

भाव में कौन–सी राशि भाव मध्य पर स्पष्ट हुई है, उसे भाव में अंकित कर देते हैं ना कि क्रम से। इसी तरह ग्रह का भी मान निकाल कर यह देखा जाता है कि भाव किस राशि में कितने अंशों से प्रारंभ है और कितने अंशों पर समाप्त हो रहा है। यदि ग्रह स्पष्ट भाव प्रारंभ है और भाव समाप्ती के मध्य है तो ग्रह को उसी भाव में अंकित करते हैं। यदि ग्रह स्पष्ट माह के प्रारंभ के अंशों पर है तो उसे उस भाव से पहले भाव में अंकित करते हैं। यदि ग्रह स्पष्ट भाव समाप्ति के अंशों पर है तो उस ग्रह को बाद के भाव में अंकित करते हैं।

जैसे माना कि किसी का कर्क लग्न 1 डिग्री 47 का है जिसका लग्नेश चंद्र बारहवें भाव में 25 डिग्री का है व मंगल लग्न में 27 डिग्री का है। इसका अगर भाव चलित चार्ट बनाएंगे तो जो मंगल लग्न में दिख रहा है, वह दूसरे भाव में चला गया और लग्नेश चंद्र 12 वें भाव से लग्न में आ गया।

इसी तरह चलित कुंडली में योजनाओं में ग्रहो के साथ–साथ राशियां भी भावो में बदल जाती है दो भावो में एक ही राशि हो जाती है। चलित कुंडली के अनुसार देखने पर भाव अंत पर बैठा ग्रह उतने प्रभावी फल नहीं देता है जितना लगन के भाव मध्य के पास बैठा ग्रह देता है।

भाव चलित में बना हुआ कोई भी योग बहुत महत्वपूर्ण नहीं होता जितना जन्म चार्ट में बना हुआ योग देता है पर भाव चलित योग को भंग भी कर देता है और कभी–कभी अलग–अलग ग्रहों को जोड़ भी देता है, क्योंकि ग्रहों की युति ग्रहों के अंशों पर निर्भर करती है भावों से नहीं।

ग्रहों के परस्पर संबंध डिग्री पर आधारित होते हैं उनका राशि चार्ट व भाव चलित से कोई लेना देना नहीं होता है वह तो 180 डिग्री के अंतर्गत आने वाली दृष्टि ही मान्य होता है। यह हमें भाव चलित से स्पष्ट दिखाई देता है।

ग्रह अपनी युति, स्थिति व दृष्टि के फल दोनों चार्ट के अनुसार ही अपनी दशा/अंतर्दशा में जरूर देता है। इसको मैं एक उदाहरण के द्वारा समझाने का प्रयास करती हूं।

जन्म विवरण –

जन्म तिथि– 05.10. 2006
जन्म समय 20:30 बजे
जन्म स्थान –अलवर, राजस्थान

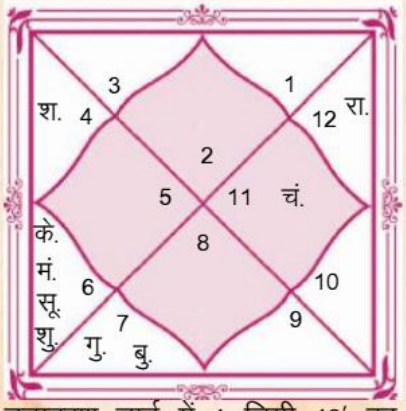

उदाहरण चार्ट में 4 डिग्री 46′ का वृष लग्न है व लग्नेश शुक्र, केतु, सूर्य, मंगल के साथ पंचम भाव में–

शनि 27 डिग्री 52′ का 3रे भाग में स्थित है।

बुध 10 डिग्री 47′ का गुरु 25 डिग्री 27 के साथ 6वें भाग में स्थित है।

चंद्र 26 डिग्री 62′ दशम भाव में स्थित है।

व राहु 1 डिग्री 23वें के 11 वें भाव में स्थित है।

शुक्र 12 डिग्री 33′ , सूर्य –18 19′, केतु– 01 डिग्री 23′ और मंगल 24 डिग्री पंचम भाव में स्थित है।

जब इसकी भाव चलित कुंडली बनाई तो पंचम भाव में सिर्फ केतु है और सभी ग्रह छठवें भाग में आ गए व गुरु छठवें भाव से 7वें भाव में।

चंद्र जो दसवें भाव में था वह राहु के साथ 11 वें भाव में चले गए व शनि तृतीय भाव से चतुर्थ भाव में आ गया।

इसी तरह देखा कि ग्रहों के फल ही बदल गए।

इस समय जातक की शनि की दशा चल रही है, जिसमें विपरीत फल मिल रहे हैं।

पता : 341 डी, पॉकेट जे एंड के दिलशाद गार्डन दिल्ली–95
दूरभाष : 9899555631

कंप्यूटर जन्माक्षर
विश्व प्रसिद्ध सॉफ्टवेयर
लियो स्टार द्वारा निर्मित
• नवजात शिशुओं के लिये भाग्यशाली नाम एवं नक्षत्रफल
• विवाह के लिए कुंडली मिलान
• लाल किताब के सरल उपाय
• ज्योतिषीय सरल उपाय
• अंकशास्त्र • एस्ट्रोग्राफ एवं प्रश्नफल
संपर्क : कुसुम गर्ग –
B-16, Shreeji Bunglows,
Sun Pharma Road,
Vadodara-390020, Gujarat,
Phone : 09327744699